वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 24 अक्टूबर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

अमर उजाला

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई और एमएल लर्निंग सीरीज पर हुआ व्याख्यान

संवाद न्यूज एजेंसी

मल्हनी। पूविवि के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की ओर से शुक्रवार को एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज पर व्याख्यान आयोजित हुआ। वीका टूल से रिग्रेशन एल्गोरिदम के व्यावहारिक प्रयोग को समझाया।

रिग्रेशन एल्गोरिदम विषय पर आयोजित व्याख्यान में 96 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसमें विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के माध्यम से आंकड़ों का विश्लेषण करने और भविष्य के परिणामों का पूर्वानुमान लगाने की तकनीक बताई गई।

96 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण वीका टूल से रिग्रेशन एल्गोरिदम का व्यावहारिक प्रयोग समझाया

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर आयोजित व्याख्यान में रिसोर्स पर्सन डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने रिग्रेशन एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली और वीका टूल के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने लीनियर रिग्रेशन सहित प्रमुख तकनीकों को उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

बताया कि रिग्रेशन का उपयोग घरों की कीमत, बिक्री और मौसम संबंधी आंकड़ों का पूर्वानुमान लगाने में किया जाता है। विद्यार्थियों को वीका टूल के माध्यम से डेटा सेट का विश्लेषण करने, उपयुक्त एल्गोरिदम चुनने और मशीन लर्निंग मॉडल तैयार करने की प्रक्रिया से परिचित कराया गया।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि प्रभावी मॉडल विकसित करने के लिए डेटा की गुणवत्ता, सही एल्गोरिदम का चयन और परिणामों का मूल्यांकन महत्वपूर्ण है। वीका जैसे टूल विद्यार्थियों को विभिन्न एल्गोरिदम के परिणामों की तुलना करने और व्यावहारिक समस्याओं के समाधान तलाशने में मदद करते हैं।

कार्यक्रम के संचालन में आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव और कृष्ण कुमार यादव ने भूमिका निभाई। इस दौरान डॉ. संतोष कुमार यादव, प्रवीण कुमार पांडेय, डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्रा, रितेश कुमार और दीप्ति पांडेय उपस्थित रहीं।

अमर उजाला



नपुर युवा Youth

amarujala.com

वाराणसी | शनिवार, 24 अक्तूबर

विद्यापीठ और कॉलेजों में दिसंबर में होंगी विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं

12 दिन में परीक्षा को खत्म करवाने की तैयारी में जुटा परीक्षा विभाग

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। काशी विद्यापीठ और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में पढ़ने वाले स्नातकोत्तर एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों (विषम सेमेस्टर) के विद्यार्थियों की परीक्षा दिसंबर महीने में कराने की तैयारी है। इसके लिए विवि की ओर से नवंबर के पहले सप्ताह में समय-सारिणी जारी की जाएगी।

विवि में इस समय शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश की प्रक्रिया अंतिम दौर में चल रही है। साथ ही यूजी, पीजी और व्यावसायिक कोर्स की परीक्षा कराए जाने के लिए भी परीक्षा विभाग ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

परीक्षा नियंत्रक दीप्ति मिश्रा ने सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष और पाठ्यक्रम प्रभारी को एक पत्र भेजकर कोर्सवार परीक्षा की समय-सारिणी तैयार करवाकर परीक्षा विभाग को भेजने को कहा है। इसमें परीक्षा नियंत्रक ने बताया है कि विश्वविद्यालय परिसर/संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित स्नातकोत्तर एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों (विषम सेमेस्टर) की परीक्षाएं दिसंबर के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ होनी है।

ऐसे में 1 से 12 दिसंबर तक सभी प्रश्नपत्रों को शामिल करते हुए एक समय-सारिणी तैयार कराया जाना जरूरी होगा। उन्होंने परीक्षा के लिए 1 नवंबर तक समय-सारिणी तैयार करवाकर परीक्षा विभाग में देने को कहा है।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि प्रस्तावित समय-सारिणी को कुलपति के पास मुहर के लिए भेजा जाएगा। कुलपति की स्वीकृति मिलते ही उसको विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करवाया जाएगा, जिससे कि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को जानकारी मिल सके।

काशी विद्यापीठ में आज स्थगित रहेगी पढ़ाई

वाराणसी। काशी विद्यापीठ में 24 अक्तूबर को पठन-पाठन स्थगित रहेगा, कक्षाएं ऑनलाइन मोड में संचालित होंगी। कुलसचिव डॉ. सुनीता पांडेय ने बताया कि जिले में 24 अक्तूबर को आयोजित एयर शो की वजह से यातायात व्यवस्था को देखते हुए विश्वविद्यालय परिसर में पठन-पाठन स्थगित रहेगा। इस तिथि को सभी विभाग एवं कार्यालय खुले रहेंगे। ब्यूरो

बीएचयू में स्नातक बैकलॉग परीक्षा 26 अक्तूबर को

वाराणसी। बीएचयू में कुछ विषयों में स्नातक बैकलॉग परीक्षा की तारीखों में बदलाव किया गया है। बीएससी ऑनर्स पहले सेमेस्टर के एमटीबी-101: कैलकुलस-1 पेपर की परीक्षा 26 अक्तूबर को होगी। यह परीक्षा पहले चार सितंबर को होनी थी। परीक्षा का समय दोपहर 1:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक रहेगा। परीक्षा स्थल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ब्यूरो

पूविवि : सेमेस्टर परीक्षा का खाका तैयार, अगले सप्ताह होगा जारी

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध गाजीपुर और जौनपुर जिले के महाविद्यालयों की सेमेस्टर परीक्षा के लिए कार्यक्रम तैयार हो गया है। अगले सप्ताह इसे जारी करने की तैयारी है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सत्र 2026-27 के स्नातक और स्नातकोत्तर के विषम सेमेस्टर (प्रथम, तृतीय और पंचम सेमेस्टर) की परीक्षाओं का खाका तैयार कर लिया गया है।

इसे अगले सप्ताह जारी कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन नवंबर के दूसरे सप्ताह से सेमेस्टर परीक्षा शुरू कराने की तैयारी में है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह का कहना है कि परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर तय की गई है।

यूनिवर्सिटी कैंपस और जौनपुर एवं गाजीपुर के संबद्ध 604 महाविद्यालयों के छात्रों के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। छात्र 31 अक्तूबर तक परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। 31 अक्तूबर 2026 तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय परीक्षा की समय सारिणी (डेटशीट) अगले सप्ताह विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी।

गाजीपुर और जौनपुर जिले में पंजीकृत छात्रों का तैयार हो रहा आंकड़ा

परीक्षाएं नवंबर 2026 के दूसरे सप्ताह में शुरू होना संभावित हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी महाविद्यालयों को निर्देश दिया है कि तय तिथि छात्रों का परीक्षा आवेदन ऑनलाइन करा दें ताकि परीक्षाएं समय से शुरू हो सकें।

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम समय की तकनीकी दिक्कतों से बचने के लिए समय रहते समर्थ पोर्टल या विश्वविद्यालय के पोर्टल पर जाकर अपना विषय चयन और परीक्षा फॉर्म की प्रक्रिया पूरी कर लें। परीक्षा फार्म ऑनलाइन होने के बाद छात्रों की संख्या का डिटेल मिल जाएगा। छात्र संख्या के आधार पर परीक्षा केंद्रों का चयन किया जाएगा।

पूविवि में पीएचडी व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए नई टीम गठित

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शोध प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त और पारदर्शी बनाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर अनुसंधान एवं विकास सेल की नई टीम का गठन किया गया। प्रो. राजकुमार विकास सेल के निदेशक बनाए गए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं यूजीसी के तय मानकों के अनुपालन के साथ गठित इस व्यवस्था में प्रो. राजकुमार को अनुसंधान एवं विकास का निदेशक नामित किया गया है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने जारी आदेश के अनुसार निदेशक को शोध प्रवेश से लेकर उपाधि प्रदान करने, शोध प्रबंध के अभिलेखीकरण, निगरानी, नीति निर्धारण और लंबित प्रकरणों के निस्तारण का समग्र नेतृत्व सौंपा गया है।

पूविवि : प्रो. राजकुमार बने अनुसंधान एवं विकास सेल के निदेशक

कार्यकारी टीम में संकाय सदस्यों को अलग-अलग दायित्व सौंपते हुए डॉ. मनीष कुमार गुप्ता को पीएचडी प्रवेश, अभिलेख, शोध निर्देशक व सीट पंजिका, आरडीसी कैलेंडर व डिजिटल कार्यप्रणाली, प्रो. संतोष कुमार को कोर्स वर्क, शोधार्थी प्रगति, सेमेस्टर समीक्षा, प्रशिक्षण एवं जेआरएफ से एसआरएफ मूल्यांकन, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह को शोध पद्धति, नैतिकता, गुणवत्ता, प्रकाशन मार्गदर्शन व प्रयोगशाला पद्धतियां तथा प्रो. विनोद कुमार गुप्ता को प्री-सबमिशन, शोधप्रबंध कार्रवाई, परीक्षक, मूल्यांकन, मौखिक परीक्षा, उपाधि अभिलेख व शोध डैशबोर्ड का जिम्मा दिया गया है।

वहीं, सेल के सहयोग के लिए प्रशासनिक अधिकारी रघुनंदन यादव, प्रधान सहायक गुलाब चंद व राजेंद्र प्रताप सिंह, कनिष्ठ सहायक नीलम सिंह, कम्प्यूटर ऑपरेटर सुशील प्रजापति व प्रदीप कुमार सिंह और परिचर अंजनी तिवारी व जैनेंद्र कुमार विश्वकर्मा को तैनात किया गया है। यह कार्यालय आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। संवाद

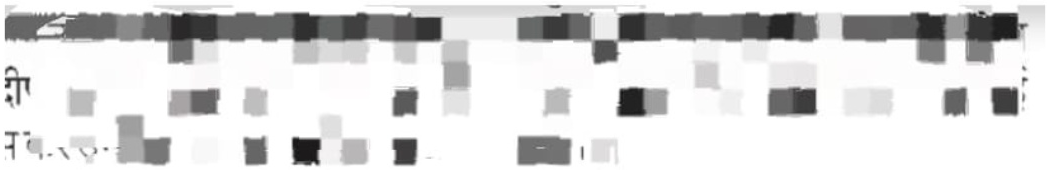
VARANASI MUNICIPAL CORPORATION VARANASI

हिंदुस्तान

हिन्दुस्तान

जौनपुर

24 अक्टूबर 2026



शैक्षणिक कार्य प्रभाग के प्रो. मानस बने निदेशक

जौनपुर, संवाददाता। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षण, अधिगम और समग्र शैक्षिक प्रशासन को सुदृढ़, परिणामोन्मुख और गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार 'शैक्षणिक कार्य प्रभाग' का गठन कर विस्तृत कार्य और दायित्व निर्धारित किए गए हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक योजना, पाठ्यचर्या सुधार, प्रवेश और शैक्षणिक प्रशासन में समन्वय के लिए उच्च स्तरीय टीम का गठन किया गया है। इसके तहत वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. मानस पाण्डेय को शैक्षणिक कार्य प्रभाग का निदेशक बनाया गया है, जो समग्र शैक्षणिक नेतृत्व एवं प्रशासन की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं प्रो. देवराज सिंह को सदस्य के रूप में पाठ्यचर्या, राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 सुधार, क्रेडिट फ्रेमवर्क, शैक्षणिक अभिलेख तथा वैधानिक अनुश्रवण का दायित्व सौंपा गया है। टीम के तीसरे सदस्य के रूप में प्रो. रवि प्रकाश को शैक्षणिक कैलेंडर, शिक्षण व्यवस्था, प्रवेश प्रक्रिया तथा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के समन्वय का जिम्मा दिया गया है।

आज

...सभी दांव पेच अपना रहे थे।

पीएचडी व्यवस्था दुरुस्त करने को नयी टीम, प्रो. राजकुमार निदेशक बने

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शोध प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त और पीएचडी प्रक्रिया को पारदर्शी व गतिमान बनाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर अनुसंधान एवं विकास सेल की नई टीम का गठन कर विस्तृत कार्यक्षेत्र निर्धारित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं यूजीसी के तय मानकों के अनुपालन के साथ गठित इस व्यवस्था में प्रो. राजकुमार को अनुसंधान एवं विकास का निदेशक नामित किया गया है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार निदेशक को शोध प्रवेश से लेकर उपाधि प्रदान करने, शोधप्रबंध के अभिलेखीकरण, निगरानी, नीति निर्धारण और लंबित प्रकरणों के निस्तारण का समग्र नेतृत्व सौंपा गया है। कार्यकारी टीम में संकाय सदस्यों को अलग-अलग दायित्व सौंपते हुए डॉ. मनीष कुमार गुप्ता को पीएचडी प्रवेश, अभिलेख, शोध निर्देशक/सीट पंजिका, आरडीसी कैलेंडर व डिजिटल कार्यप्रणाली; प्रो. संतोष कुमार को कोर्स वर्क, शोधार्थी प्रगति, सेमेस्टर समीक्षा, प्रशिक्षण एवं जेआरएफ से एसआरएफ मूल्यांकन; प्रो. नरेन्द्र कुमार सिंह को शोध पद्धति, नैतिकता, गुणवत्ता, प्रकाशन मार्गदर्शन व प्रयोगशाला पद्धतियां तथा प्रो. विनोद कुमार गुप्ता को प्री-सबमिशन, शोधप्रबंध कार्यवाही, परीक्षक, मूल्यांकन, मौखिक परीक्षा, उपाधि अभिलेख व शोध डैशबोर्ड का जिम्मा दिया गया है। यह समिति पीएचडी प्रक्रिया पुस्तिका और अध्यादेश का नया प्रारूप तैयार कर सक्षम निकायों से अनुमोदित कराएगी। वहीं सेल के सहयोग हेतु प्रशासनिक अधिकारी रघुनन्दन यादव, प्रधान सहायक गुलाब चन्द व राजेन्द्र प्रताप सिंह, कनिष्ठ सहायक नीलम सिंह, कम्प्यूटर आपरेटर सुशील प्रजापति व प्रदीप कुमार सिंह और परिचर अंजनी तिवारी व जैनेन्द्र कुमार विश्वकर्मा को तैनात किया गया है। यह कार्यालय आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

डोसियों ने घर में घुसकर...

पायनियर

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का चौथा व्याख्यान संपन्न



पायनियर संवाददाता। जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित 'एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज' के चौथे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। "रिग्रेशन एल्गोरिदम्स" विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 95 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग में रिग्रेशन की मूलभूत अवधारणाओं, प्रमुख एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था। इस व्याख्यान में मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. अम्बुजी अग्रवाल ने विद्यार्थियों को रिग्रेशन एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली इस कोड टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने लीनियर रिग्रेशन तथा अन्य प्रमुख रिग्रेशन तकनीकों की कार्यशैली को समझा। विशेषज्ञ ने बताया कि रिग्रेशन मशीन लर्निंग की एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जिसका उपयोग निरंतर संख्यात्मक मानों का पूर्वानुमान लगाने के लिए किया जाता है। इसके अंतर्गत घरों की कीमत का पूर्वानुमान, बिक्री का अनुमान तथा मौसम संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों पर चर्चा की गई।

जनसंदेश टाइम्स

विश्वविद्यालय में एआई व एमएल लर्निंग सीरीज का चौथा व्याख्यान

आयोजन

वीका टूल से रिग्रेशन एल्गोरिदम के व्यावहारिक उपयोग के टिप्स दिए

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के चौथे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। ह्लरिग्रेशन एल्गोरिदमह्व विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 96 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग में रिग्रेशन की मूलभूत अवधारणाओं, प्रमुख एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था। इस व्याख्यान में मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को रिग्रेशन एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने लीनियर रिग्रेशन तथा अन्य प्रमुख रिग्रेशन तकनीकों की कार्यप्रणाली को समझा। विशेषज्ञ ने बताया कि रिग्रेशन मशीन लर्निंग की एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जिसका उपयोग निरंतर संख्यात्मक मानों का पूर्वानुमान लगाने के लिए किया जाता है। इसके अंतर्गत घरों की कीमत का पूर्वानुमान, बिक्री का अनुमान तथा मौसम संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों पर चर्चा की गई। सत्र में वीका टूल के माध्यम से डेटा सेट का विश्लेषण करने, उपयुक्त रिग्रेशन एल्गोरिदम का चयन करने तथा मशीन लर्निंग मॉडल तैयार करने की प्रक्रिया को समझाया गया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए डेटा की गुणवत्ता, उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन तथा मॉडल के परिणामों का सही मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है। वीका जैसे टूल विद्यार्थियों को विभिन्न एल्गोरिदम का प्रयोग करने, उनके परिणामों की तुलना करने तथा वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। उक्त व्याख्यान में विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष यादव, प्रवीण कुमार पाण्डेय, डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्रा, रितेश कुमार एवं दीप्ति पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।



व्याख्यान में मौजूद विद्यार्थी

जनसंदेश टाइम्स

पीएचडी व्यवस्था दुरुस्त करने को नई टीम, प्रो. राजकुमार निदेशक बने

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शोध प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त और पीएचडी प्रक्रिया को पारदर्शी व गतिमान बनाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर अनुसंधान एवं विकास सेल की नई टीम का गठन कर विस्तृत कार्यक्षेत्र निर्धारित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं यूजीसी के तय मानकों के अनुपालन के साथ गठित इस व्यवस्था में प्रो. राजकुमार को अनुसंधान एवं विकास का निदेशक नामित किया गया है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार निदेशक को शोध प्रवेश से लेकर उपाधि प्रदान करने, शोधप्रबंध के अभिलेखीकरण, निगरानी, नीति निर्धारण और लंबित प्रकरणों के निस्तारण का समग्र नेतृत्व सौंपा गया है। वहीं सेल के सहयोग हेतु प्रशासनिक अधिकारी रघुनन्दन यादव, प्रधान सहायक गुलाब चन्द व राजेन्द्र प्रताप सिंह, कनिष्ठ सहायक नीलम सिंह और परिचर अंजनी तिवारी व जैनेन्द्र कुमार विश्वकर्मा को तैनात किया गया है।

जनसंदेश टाइम्स

पीयू में शैक्षणिक कार्य प्रभाग का हुआ गठन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षण, अधिगम और समग्र शैक्षिक प्रशासन को सुदृढ़, परिणामोन्मुख व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निदेर्शानुसार शैक्षणिक कार्य प्रभाग का गठन कर विस्तृत कार्य व दायित्व निर्धारित किए गए हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है।

इसके तहत वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. मानस पाण्डेय को शैक्षणिक कार्य प्रभाग का निदेशक बनाया गया है, जो समग्र शैक्षणिक नेतृत्व एवं प्रशासन की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं प्रो. देवराज सिंह को सदस्य के रूप में पाठ्यचर्या, राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 सुधार, क्रेडिट फ्रेमवर्क, शैक्षणिक अभिलेख तथा वैधानिक अनुश्रवण का दायित्व सौंपा गया है। टीम के तीसरे सदस्य के रूप में प्रो. रवि प्रकाश को शैक्षणिक कैलेंडर, शिक्षण व्यवस्था, प्रवेश प्रक्रिया तथा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के विकास व समन्वय का जिम्मा दिया गया है।

उत्तर शक्ति

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का चौथा व्याख्यान संपन्न

वीका टूल से रिग्रेशन एल्गोरिदम के व्यावहारिक उपयोग के टिप्स दिए

◆ व्याख्यान में 96 छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभाग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित ह्यएआई एवं एमएल लर्निंग सीरीजह्ल के चौथे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। ह्लरिग्रेशन एल्गोरिदमह्ल विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 96 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग में रिग्रेशन की मूलभूत अवधारणाओं, प्रमुख एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था।

इस व्याख्यान में मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को रिग्रेशन एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी।

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने लीनियर रिग्रेशन तथा अन्य प्रमुख रिग्रेशन तकनीकों की कार्यप्रणाली को समझा। विशेषज्ञ ने बताया कि रिग्रेशन मशीन लर्निंग की एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जिसका उपयोग निरंतर संख्यात्मक मानों का पूवार्नुमान लगाने के लिए किया जाता



है। इसके अंतर्गत घरों की कीमत का पूवार्नुमान, बिक्री का अनुमान तथा मौसम संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों पर चर्चा की गई।

सत्र में वीका टूल के माध्यम से डेटा सेट का विश्लेषण करने, उपयुक्त रिग्रेशन एल्गोरिदम का चयन करने तथा मशीन लर्निंग मॉडल तैयार करने की प्रक्रिया को समझाया गया।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए डेटा की गुणवत्ता, उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन तथा मॉडल के परिणामों का सही मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है। वीका जैसे टूल विद्यार्थियों को विभिन्न एल्गोरिदम का प्रयोग करने, उनके परिणामों की तुलना करने तथा वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। उक्त व्याख्यान में विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार यादव, प्रवीण कुमार पाण्डेय, डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्रा, रितेश कुमार एवं दीप्ति पाण्डेय सहित अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

उत्तर शक्ति

पीयू में शैक्षणिक कार्य प्रभाग का हुआ गठन

प्रो.मानस पाण्डेय बने निदेशक, प्रो.देवराज सिंह और प्रो.रवि प्रकाश को सौंपी गई अहम जिम्मेदारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षण, अधिगम और समग्र शैक्षिक प्रशासन को सुदृढ़, परिणामोन्मुख व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निदेर्शानुसार 'शैक्षणिक कार्य प्रभाग' (Academic Affairs Division) का गठन कर विस्तृत कार्य व दायित्व निर्धारित किए गए हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है।

आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक योजना, पाठ्यचर्या सुधार, प्रवेश व शैक्षणिक प्रशासन में समन्वय के लिए उच्च स्तरीय टीम का गठन किया गया है। इसके तहत वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. मानस पाण्डेय को शैक्षणिक कार्य प्रभाग का निदेशक बनाया गया है, जो समग्र शैक्षणिक नेतृत्व एवं प्रशासन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

वहीं प्रो. देवराज सिंह को सदस्य के रूप में पाठ्यचर्या, राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 सुधार, क्रेडिट फ्रेमवर्क, शैक्षणिक अभिलेख तथा वैधानिक अनुश्रवण का दायित्व सौंपा गया है। टीम के तीसरे सदस्य के रूप में प्रो. रवि प्रकाश को शैक्षणिक कैलेंडर, शिक्षण व्यवस्था, प्रवेश प्रक्रिया तथा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के विकास व समन्वय का जिम्मा दिया गया है।

वार्षिक कैलेंडर, गुणवत्ता और एन इपी- 2020 पर रहेगा विशेष जोर- प्रभाग द्वारा वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर तैयार करने, कक्षाओं की नियमितता, शिक्षकों के कार्यभार, सतत मूल्यांकन तथा परीक्षा व परिणामों की समीक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही अध्ययन बोर्डों के माध्यम से पाठ्यक्रमों की समयबद्ध समीक्षा, उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास, इंटर्नशिप और परिणाम आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने पर कार्य किया जाएगा।

कार्यालय संचालन के लिए प्रशासनिक अमला तैनात- शैक्षणिक कार्य प्रभाग के सुचारू संचालन और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है। इनमें प्रशासनिक अधिकारी के रूप में मधुसूदन यादव, प्रधान सहायक शमशेर सिंह, कनिष्ठ सहायक मो. दिलगीर हसन, ऋचा सिंह, रवीन्द्र कुमार ओझा, पार्वती देवी के साथ कंप्यूटर ऑपरेटर राम यादव एवं अन्य की तैनाती की गई है।

पीएचडी व्यवस्था को पारदर्शी व गतिमान बनाने के लिए नई टीम, प्रो.राजकुमार बने निदेशक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शोध प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त और पीएचडी प्रक्रिया को पारदर्शी व गतिमान बनाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर अनुसंधान एवं विकास सेल की नई टीम का गठन कर विस्तृत कार्यक्षेत्र निर्धारित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं यूजीसी के तय मानकों के अनुपालन के साथ गठित इस व्यवस्था में प्रो. राजकुमार को अनुसंधान एवं विकास का निदेशक नामित किया गया है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार निदेशक को शोध प्रवेश से लेकर उपाधि प्रदान करने, शोधप्रबंध के अभिलेखीकरण, निगरानी, नीति निर्धारण और लंबित प्रकरणों के निस्तारण का समग्र नेतृत्व सौंपा गया है।

कार्यकारी टीम में संकाय सदस्यों को अलग-अलग दायित्व सौंपते हुए डॉ. मनीष कुमार गुप्ता को पीएचडी प्रवेश, अभिलेख, शोध निर्देशक/सीट पंजिका, आरडीसी कैलेंडर व डिजिटल कार्यप्रणाली; प्रो. संतोष कुमार को कोर्स वर्क, शोधार्थी प्रगति, सेमेस्टर समीक्षा, प्रशिक्षण एवं जेआरएफ से एसआरएफ मूल्यांकन; प्रो. नरेन्द्र कुमार सिंह को शोध पद्धति, नैतिकता, गुणवत्ता, प्रकाशन मार्गदर्शन व प्रयोगशाला पद्धतियां तथा प्रो. विनोद कुमार गुप्ता को प्री-सबमिशन, शोधप्रबंध कार्यवाही, परीक्षक, मूल्यांकन, मौखिक परीक्षा, उपाधि अभिलेख व शोध डैशबोर्ड का जिम्मा दिया गया है। यह समिति पीएचडी प्रक्रिया पुस्तिका और अध्यादेश का नया प्रारूप तैयार कर सक्षम निकायों से अनुमोदित कराएगी।

वहीं सेल के सहयोग हेतु प्रशासनिक अधिकारी रघुनन्दन यादव, प्रधान सहायक गुलाब चन्द व राजेन्द्र प्रताप सिंह, कनिष्ठ सहायक नीलम सिंह, कम्प्यूटर आपरेटर सुशील प्रजापति व प्रदीप कुमार सिंह और परिचर अंजनी तिवारी व जैनेन्द्र कुमार विश्वकर्मा को तैनात किया गया है। यह कार्यालय आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

लोकभारती

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक कार्य प्रभाग गठित

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षण, अधिगम और समग्र शैक्षिक प्रशासन को सुदृढ़, परिणामोन्मुख व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार 'शैक्षणिक कार्य प्रभाग' का गठन कर विस्तृत कार्य व दायित्व निर्धारित किए गए हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है।

आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक योजना, पाठ्यचर्या सुधार, प्रवेश व शैक्षणिक प्रशासन में समन्वय के लिए उच्च स्तरीय टीम का गठन किया गया है। इसके तहत वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. मानस पाण्डेय को शैक्षणिक कार्य प्रभाग का निदेशक बनाया गया है, जो समग्र शैक्षणिक नेतृत्व एवं प्रशासन की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं प्रो. देवराज सिंह को सदस्य के रूप में पाठ्यचर्या, राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 सुधार, क्रेडिट फ्रेमवर्क, शैक्षणिक अभिलेख तथा वैधानिक अनुश्रवण का दायित्व सौंपा गया है।

टीम के तीसरे सदस्य के रूप में प्रो. रवि प्रकाश को शैक्षणिक कैलेंडर, शिक्षण व्यवस्था, प्रवेश प्रक्रिया तथा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के विकास व समन्वय का जिम्मा दिया गया है।

प्रभाग द्वारा वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर तैयार करने, कक्षाओं की नियमितता, शिक्षकों के कार्यभार, सतत मूल्यांकन तथा परीक्षा व परिणामों की समीक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

इसके साथ ही अध्ययन बोर्डों के माध्यम से पाठ्यक्रमों की समयबद्ध समीक्षा, उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास, इंटर्नशिप और परिणाम आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने पर कार्य किया जाएगा।

अमर भारती

पीयू में शैक्षणिक कार्य प्रभाग का हुआ गठन, प्रो. मानस पाण्डेय बने निदेशक

प्रो. देवराज सिंह और प्रो. रवि प्रकाश को मिली अहम जिम्मेदारी

अमर भारती ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षण, अधिगम और समग्र शैक्षिक प्रशासन को सुदृढ़, परिणामोन्मुख व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार 'शैक्षणिक कार्य प्रभाग' का गठन कर विस्तृत कार्य व दायित्व निर्धारित किए गए हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है।

आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक योजना, पाठ्यचर्या सुधार, प्रवेश व शैक्षणिक प्रशासन में समन्वय के लिए उच्च स्तरीय टीम का गठन किया गया है। इसके तहत वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. मानस पाण्डेय को शैक्षणिक कार्य प्रभाग का निदेशक बनाया गया है, जो समग्र शैक्षणिक नेतृत्व एवं प्रशासन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

वहीं प्रो. देवराज सिंह को सदस्य के रूप में पाठ्यचर्या, राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 सुधार, क्रेडिट फ्रेमवर्क, शैक्षणिक अभिलेख तथा वैधानिक अनुश्रवण का दायित्व सौंपा गया है। टीम के तीसरे सदस्य के रूप में प्रो. रवि प्रकाश को शैक्षणिक कैलेंडर, शिक्षण व्यवस्था, प्रवेश प्रक्रिया तथा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के विकास व समन्वय का जिम्मा दिया गया है।

वार्षिक कैलेंडर, गुणवत्ता और एन इपी- 2020 पर रहेगा विशेष जोर।

प्रभाग द्वारा वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर तैयार करने, कक्षाओं की नियमितता, शिक्षकों के कार्यभार, सतत मूल्यांकन तथा परीक्षा व परिणामों की समीक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही अध्ययन बोर्डों के माध्यम से पाठ्यक्रमों की समयबद्ध समीक्षा, उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास, इंटर्नशिप और परिणाम आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने पर कार्य किया जाएगा। कार्यालय संचालन के लिए प्रशासनिक अमला तैनात शैक्षणिक कार्य प्रभाग के सुचारू संचालन और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है।

पीयू में शैक्षणिक कार्य प्रभाग' का हुआ गठन,प्रो. मानस पाण्डेय बने निदेशक

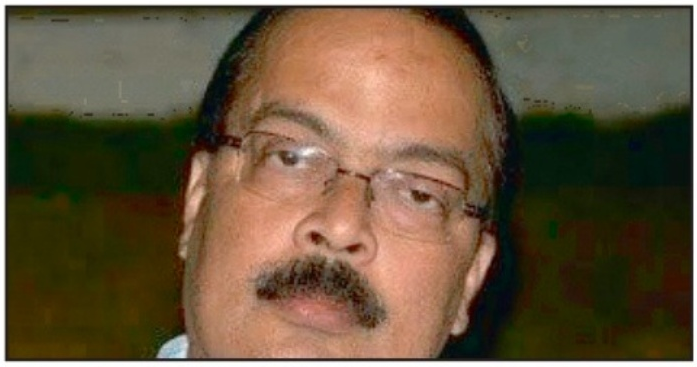
प्रो. देवराज सिंह और प्रो. रवि प्रकाश को सौंपी गई अहम जिम्मेदारी

कौटिल्य का भारत

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षण, अधिगम और समग्र शैक्षिक प्रशासन को सुदृढ़, परिणामोन्मुख व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार 'शैक्षणिक कार्य प्रभाग' (Academic Affairs Division) का गठन कर विस्तृत कार्य व दायित्व निर्धारित किए गए हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक योजना, पाठ्यचर्या सुधार, प्रवेश व शैक्षणिक प्रशासन में समन्वय के लिए उच्च स्तरीय टीम का गठन किया गया है। इसके तहत वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो.



मानस पाण्डेय को शैक्षणिक कार्य प्रभाग का निदेशक बनाया गया है, जो समग्र शैक्षणिक नेतृत्व एवं प्रशासन की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं प्रो. देवराज सिंह को सदस्य के रूप में पाठ्यचर्या, राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 सुधार, क्रेडिट फ्रेमवर्क, शैक्षणिक अभिलेख तथा वैधानिक अनुश्रवण का दायित्व



सौंपा गया है। टीम के तीसरे सदस्य के रूप में प्रो. रवि प्रकाश को शैक्षणिक कैलेंडर, शिक्षण व्यवस्था, प्रवेश प्रक्रिया तथा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के विकास व समन्वय का जिम्मा दिया गया है। वार्षिक कैलेंडर, गुणवत्ता और एन इपी-2020 पर रहेगा विशेष जोर।

प्रभाग द्वारा वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर तैयार करने, कक्षाओं की नियमितता, शिक्षकों के कार्यभार, सतत मूल्यांकन तथा परीक्षा व परिणामों की समीक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही अध्ययन बोर्डों के माध्यम से पाठ्यक्रमों की समयबद्ध समीक्षा, उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास, इंटर्नशिप और परिणाम आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने पर कार्य किया जाएगा। कार्यालय संचालन के लिए प्रशासनिक अमला तैनात शैक्षणिक कार्य प्रभाग के सुचारू संचालन और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है। इनमें प्रशासनिक अधिकारी के रूप में मधुसूदन यादव, प्रधान सहायक शमशेर सिंह, कनिष्ठ सहायक मो. दिलगीर हसन, ऋचा सिंह, रवीन्द्र कुमार ओझा, पार्वती देवी के साथ कंप्यूटर ऑपरेटर राम यादव एवं अन्य की तैनाती की गई है।

कौटिल्य का भारत

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का चौथा व्याख्यान संपन्न

- वीका टूल से रिग्रेशन एल्गोरिदम के व्यावहारिक उपयोग के टिप्स दिए
- व्याख्यान में 96 छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभाग

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित 'एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज' के चौथे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। "रिग्रेशन एल्गोरिदम" विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 96 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग में रिग्रेशन की मूलभूत अवधारणाओं, प्रमुख एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था। इस व्याख्यान में मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को रिग्रेशन एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने लीनियर रिग्रेशन तथा अन्य प्रमुख रिग्रेशन तकनीकों की कार्यप्रणाली को समझा। विशेषज्ञ ने बताया कि रिग्रेशन मशीन लर्निंग की एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जिसका उपयोग निरंतर संख्यात्मक मानों का पूर्वानुमान लगाने के लिए किया जाता है। इसके अंतर्गत घरों की कीमत का पूर्वानुमान, बिक्री का अनुमान तथा मौसम संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों पर चर्चा की गई। सत्र में वीका टूल के माध्यम से डेटा सेट का विश्लेषण करने, उपयुक्त रिग्रेशन एल्गोरिदम का चयन करने तथा मशीन लर्निंग मॉडल तैयार करने की प्रक्रिया को समझाया गया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए डेटा की गुणवत्ता, उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन तथा मॉडल के परिणामों का सही मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है। वीका जैसे टूल विद्यार्थियों को विभिन्न एल्गोरिदम का प्रयोग करने, उनके परिणामों की तुलना करने तथा वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। उक्त व्याख्यान में विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार यादव, प्रवीण कुमार पाण्डेय, डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्रा, रितेश कुमार एवं दीप्ति पाण्डेय सहित अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

जौनपुर धारा

पीयू में एआई-एमएल लर्निंग सीरीज का चौथा व्याख्यान संपन्न

वीका टूल से रिग्रेशन एल्गोरिदम का व्यावहारिक प्रशिक्षण, 96 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में शुक्रवार को एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के चौथे व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में 96 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। व्याख्यान का विषय रिग्रेशन एल्गोरिदम रहा।



मुख्य विशेषज्ञ डॉ.अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग में रिग्रेशन की कार्यप्रणाली और उसके व्यावहारिक उपयोगों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रिग्रेशन तकनीक का इस्तेमाल घरों की कीमत, बिक्री और मौसम संबंधी आंकड़ों का पूर्वानुमान लगाने में किया जाता है। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को वीका टूल के माध्यम से डेटा सेट का विश्लेषण करने, उपयुक्त एल्गोरिदम चुनने और मशीन लर्निंग मॉडल तैयार करने की प्रक्रिया समझाई गई। विशेषज्ञ ने कहा कि प्रभावी मॉडल विकसित करने के लिए डेटा की गुणवत्ता, सही एल्गोरिदम का चयन और परिणामों का सटीक मूल्यांकन महत्वपूर्ण है। ऐसे टूल विद्यार्थियों को विभिन्न तकनीकों के परिणामों की तुलना करने और वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने में मदद करते हैं। कार्यक्रम के आयोजन में समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव और कृष्ण कुमार यादव ने सहयोग किया।

इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार यादव, प्रवीण कुमार पांडेय, डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्रा, रितेश कुमार और दीप्ति पांडेय सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

जौनपुर धारा

पीयू में पीएचडी व्यवस्था सुधारने को नई टीम गठित, प्रो.राजकुमार बने निदेशक

प्रवेश से शोध प्रबंध मूल्यांकन तक की जिम्मेदारी तय, लंबित मामलों के निस्तारण और पारदर्शिता पर रहेगा जोर

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रक्रिया को व्यवस्थित, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए अनुसंधान एवं विकास सेल की नई टीम गठित की गई है। कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर गठित इस व्यवस्था में प्रो. राजकुमार को अनुसंधान एवं विकास सेल का निदेशक बनाया गया है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नई व्यवस्था के तहत निदेशक को शोध प्रवेश से लेकर उपाधि प्रदान करने, शोध प्रबंधों के अभिलेखीकरण, निगरानी, नीतिगत कार्यों और लंबित प्रकरणों के निस्तारण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकारी टीम में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता को पीएचडी प्रवेश, शोध अभिलेख, शोध निर्देशक पंजिका, आरडीसी कैलेंडर और डिजिटल कार्यप्रणाली का दायित्व दिया गया है। प्रो. संतोष कुमार को कोर्स वर्क, शोधार्थियों की प्रगति, सेमेस्टर समीक्षा और जेआरएफ से एसआरएफ मूल्यांकन की जिम्मेदारी मिली है। इसी तरह प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह शोध पद्धति, शोध नैतिकता, गुणवत्ता और प्रकाशन मार्गदर्शन का कार्य देखेंगे, जबकि प्रो. विनोद कुमार गुप्ता प्री-सबमिशन, शोध प्रबंध मूल्यांकन, मौखिक परीक्षा और उपाधि संबंधी अभिलेखों की जिम्मेदारी संभालेंगे। समिति पीएचडी प्रक्रिया पुस्तिका और संबंधित अध्यादेश का नया प्रारूप तैयार कर सक्षम निकायों से अनुमोदित कराएगी। सेल के कार्यों में सहयोग के लिए प्रशासनिक अधिकारी रघुनन्दन यादव समेत अन्य कर्मचारियों की तैनाती भी की गई है। विश्वविद्यालय की इस पहल का उद्देश्य शोध प्रशासन में समन्वय बढ़ाने और पीएचडी से जुड़े कार्यों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप संचालित करना है।

न्यायाधीश

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का चौथा व्याख्यान संपन्न

जौनपुर।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित 'एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज' के चौथे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। 'रिग्रेशन एल्गोरिदम' विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 96 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग में रिग्रेशन की मूलभूत अवधारणाओं, प्रमुख एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था।इस व्याख्यान में मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को रिग्रेशन



एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी।व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने लीनियर रिग्रेशन तथा अन्य प्रमुख रिग्रेशन तकनीकों की कार्यप्रणाली को समझा। विशेषज्ञ ने बताया कि रिग्रेशन मशीन लर्निंग की एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जिसका उपयोग निरंतर संख्यात्मक मानों का पूर्वानुमान लगाने के लिए किया जाता है। इसके अंतर्गत घरों की कीमत का पूर्वानुमान, बिक्री का अनुमान तथा मौसम संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों पर चर्चा की गई।सत्र में वीका टूल के माध्यम से डेटा सेट का विश्लेषण करने, उपयुक्त रिग्रेशन एल्गोरिदम का चयन करने तथा मशीन लर्निंग मॉडल तैयार करने की प्रक्रिया को समझाया गया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए डेटा की गुणवत्ता, उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन तथा मॉडल के परिणामों का सही मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है। वीका जैसे टूल विद्यार्थियों को विभिन्न एल्गोरिदम का प्रयोग करने, उनके परिणामों की तुलना करने तथा वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं।कार्यक्रम आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। उक्त व्याख्यान में विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार यादव, प्रवीण कुमार पाण्डेय, डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्रा, रितेश कुमार एवं दीप्ति पाण्डेय सहित अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

न्यायाधीश

पीयू में 'शैक्षणिक कार्य प्रभाग' का हुआ गठन

प्रो. देवराज सिंह और प्रो. रवि प्रकाश को सौंपी गई अहम जिम्मेदारी

जौनपुर।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षण, अधिगम और समग्र शैक्षिक प्रशासन को सुदृढ़, परिणामोन्मुख व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार 'शैक्षणिक कार्य प्रभाग' (Academic Affairs Division) का गठन कर विस्तृत कार्य व दायित्व निर्धारित किए गए हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है।आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक योजना, पाठ्यचर्या सुधार, प्रवेश व शैक्षणिक प्रशासन में समन्वय के लिए उच्च स्तरीय टीम का गठन किया गया है। इसके तहत वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. मानस पाण्डेय को शैक्षणिक कार्य प्रभाग का निदेशक बनाया गया है, जो समग्र शैक्षणिक नेतृत्व एवं प्रशासन की जिम्मेदारी संभालेंगे।वहीं प्रो. देवराज सिंह को सदस्य के रूप में पाठ्यचर्या, राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 सुधार, क्रेडिट फ्रेमवर्क, शैक्षणिक अभिलेख तथा वैधानिक अनुश्रवण का दायित्व सौंपा गया है। टीम के तीसरे सदस्य के रूप में प्रो. रवि प्रकाश को शैक्षणिक कैलेंडर, शिक्षण व्यवस्था, प्रवेश प्रक्रिया तथा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के विकास व समन्वय का जिम्मा दिया गया है।वार्षिक कैलेंडर, गुणवत्ता और एन इपी- 2020 पर रहेगा विशेष जोर।प्रभाग द्वारा वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर तैयार करने, कक्षाओं की नियमितता, शिक्षकों के कार्यभार, सतत मूल्यांकन तथा परीक्षा व परिणामों की समीक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही अध्ययन बोर्डों के माध्यम से पाठ्यक्रमों की समयबद्ध समीक्षा, उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास, इंटर्नशिप और परिणाम आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने पर कार्य किया जाएगा। शैक्षणिक कार्य प्रभाग के सुचारू संचालन और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है। इनमें प्रशासनिक अधिकारी के रूप में मधुसूदन यादव, प्रधान सहायक शमशेर सिंह, कनिष्ठ सहायक मो. दिलगीर हसन, ऋचा सिंह, रवीन्द्र कुमार ओझा, पार्वती देवी के साथ कंप्यूटर ऑपरेटर राम यादव एवं अन्य की तैनाती की गई

अवधनामा

पीयू में शैक्षणिक कार्य प्रभाग का गठन

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षण, अधिगम और समग्र शैक्षिक प्रशासन को सुदृढ़, परिणामोन्मुख व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार 'शैक्षणिक कार्य प्रभाग' (Academic Affairs Division) का गठन कर विस्तृत कार्य व दायित्व निर्धारित किए गए हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक योजना, पाठ्यचर्या सुधार, प्रवेश व शैक्षणिक प्रशासन में समन्वय के लिए उच्च स्तरीय टीम का गठन किया गया है। इसके तहत वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. मानस पाण्डेय को शैक्षणिक कार्य प्रभाग का निदेशक बनाया गया है, जो समग्र शैक्षणिक नेतृत्व एवं प्रशासन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

- **प्रो. मानस पाण्डेय बने निदेशक**
- **प्रो. देवराज सिंह और प्रो. रवि प्रकाश को सौंपी गई अहम जिम्मेदारी**

वहीं प्रो. देवराज सिंह को सदस्य के रूप में पाठ्यचर्या, राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 सुधार, क्रेडिट फ्रेमवर्क, शैक्षणिक अभिलेख तथा वैधानिक अनुश्रवण का दायित्व सौंपा गया है। टीम के तीसरे सदस्य के रूप में प्रो. रवि प्रकाश को शैक्षणिक कैलेंडर, शिक्षण व्यवस्था, प्रवेश प्रक्रिया तथा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के विकास व समन्वय का जिम्मा दिया गया है। वार्षिक कैलेंडर, गुणवत्ता और एन इपी- 2020 पर रहेगा विशेष जोर। प्रभाग द्वारा वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर तैयार करने, कक्षाओं की नियमितता, शिक्षकों के कार्यभार, सतत मूल्यांकन तथा परीक्षा व परिणामों की समीक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही अध्ययन बोर्डों के माध्यम से पाठ्यक्रमों की समयबद्ध समीक्षा, उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास, इंटर्नशिप और परिणाम आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने पर कार्य किया जाएगा। शैक्षणिक कार्य प्रभाग के सुचारू संचालन और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है।